प्रेस विज्ञप्ति

रेलवे भर्ती बोर्डों द्वारा रेलवे में लेवल–1 के पदों पर भर्ती हेतु शारीरिक दक्षता जॉच (PET) हेतु परिणाम

कुछ दैनिक समाचार–पत्रों में दिनांक 06.03.2019 के अंक में ''**रेलवे के ग्रुप डी की परीक्षा परिणाम में भारी गड़बड़ी!**'' के शीर्षक से समाचार प्रकाशित की गयी है। यह बिल्कुल ही निराधार एवं असत्य है। यह परीक्षा पूरे भारत में कुल 152 पालियों में 51 दिनों में संपन्न हुई है जिसमें लगभग 1.89 करोड़ अभ्यर्थी ने आवेदन दिया था। जब कभी भी अनेक पालियों में एक ही पाठ्यक्रम के अंदर से प्रश्न–पत्र तैयार किये जाते हैं, तो पूरी कोशिश के बावजूद भी प्रश्न–पत्रों के कठिनाई स्तर में विभिन्नता होने की संभावना रहती है। प्रश्न–पत्रों के इस कठिनाई स्तर में समानता लाने के लिए व्यापक तौर पर प्राप्तांकों के सांख्यिकीय नॉर्मलाईजेशन की विधि अपनायी जाती है। रेल भर्ती बोर्डों द्वारा अपनाया गया नॉर्मलाईजेशन विधि भी एक वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीय विधि है तथा इसमें कहीं भी मानवीय हस्तक्षेप नहीं है। इस परीक्षा में शामिल सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक को एक फॉर्मूले के तहत नॉर्मलाईज किया गया है।

यह फार्मूला रेलवे बोर्ड के आधिकारिक पत्र के अनुसार वर्ष 2000 से सभी रेलवे भर्ती बोर्डों के परीक्षा परिणामों को बनाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसी फार्मूले द्वारा नॉर्मलाईज प्राप्तांक के आधार पर ही दिनांक 04.03.2019 को लेवल–1 (ग्रुप–डी) के विभिन्न पदों पर रेलवे में भर्ती हेतु परिणाम प्रकाशित किया गया है। यह नार्मलाईजेशन विधि निम्नलिखित फॉर्मूला पर आधारित है :– $(S2 / S1) \times (X – Xav) + Yav$ है, जहॉ S2 बेस शिफ्ट का स्टैंडर्ड डेवियेशन (SD); S1 नॉर्मलाईज्ड किये जाने वाले शिफ्ट का स्टैंडर्ड डेवियेशन (SD); Xav नॉर्मलाईज्ड किये जाने वाले शिफ्ट का औसत अंक है; Yav बेस शिफ्ट का औसत अंक है और X अभ्यर्थी का प्राप्तांक है। बेस शिफ्ट वह शिफ्ट है जिसमें औसत प्राप्तांक सबसे अधिक है।

इस फॉर्मूले में स्टैंडर्ड डेवियेशन (SD) का अनुपात निर्णायक है क्योंकि अधिकतम गुणांक अभ्यर्थी के प्राप्तांक को परीक्षा पत्र के कुल अंक से आगे ले जा सकती है। रेल भर्ती बोर्डों द्वारा पूर्व में कराये गये परीक्षाओं में भी बहुत से अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त नॉर्मलाईज्ड अंक कुल अंकों से अधिक रहे हैं। लेवल–1 के प्रकाशित परिणाम में ऐसा कुछ भी नयापन नहीं है क्योंकि अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त रॉ मार्क्स, नॉर्मलाईज्ड मार्क्स के निर्धारण में महत्वपूर्ण है।

इस परीक्षा हेतु केन्द्रीयकृत रोजगार सूचना सं. 02/2018 के निर्देश के पैरा 7 में भी अधिसूचित है कि अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त अंक को नॉर्मलाईज करके मेरिट लिस्ट तैयार किया जाएगा। रिजल्ट प्रकाशन के पूर्व सभी अभ्यर्थियों को उनका प्रश्न–पत्र, मास्टर उत्तर–कुंजी और उनके द्वारा दिए गए उत्तर जॉचोपरांत रेल भर्ती बोर्डों के आधिकारिक वेबसाईटों पर उपलब्ध कराये गये थे। बाद में 14 जनवरी से 20 जनवरी 2019 तक आपत्ति दर्ज करने हेतु ''ऑब्जेक्शन ट्रैकर'' उपलब्ध कराया गया था। लगभग 1.58 लाख अभ्यर्थियों ने इस ट्रैकर का उपयोग किया था।

प्रकाशित परिणाम को बनाने में कोई भी नए तरीके का इस्तेमाल नहीं किया गया है। यह परिणाम बिल्कुल ही परीक्षार्थियों के मेधा एवं लम्बे समय से चले आ रहे जॉच विधि पर आधारित है। इस परिणाम में अभ्यर्थियों का शारीरिक दक्षता जॉच हेतु मेधा सूची केन्द्रीयकृत रोजगार सूचना सं. 02/2018 में प्रकाशित रिक्तियों के 3 गुणा हैं।

रेल भर्ती बोर्डों द्वारा प्रकाशित लेवल–1 के परिणाम में अधिकतम नॉर्मलाईज्ड प्राप्तांक 126.13 है। अतः इससे अधिक प्राप्तांक का किसी तरह का दावा बिलकुल ही मनगढ़ंत है।

अध्यक्ष

रेल भर्ती बोर्ड, पटना